

डॉ. आल्ल वेंकट रामा राव

Dr. Alla Venkata Rama Rao



पद्म भूषण

Padma Bhushan



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ. आल्ल वेंकट रामा राव

डॉ. आल्ल वेंकट रामा राव भारतीय रसायन तकनीकी संस्थान के पूर्व निदेशक रहे हैं एवं वर्तमान में आबरा लेबोरेट्रिज प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं निदेशक होने के साथ साथ आप एक सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक भी हैं।

2. आपका जन्म 2 अप्रैल 1935 में हुआ था। आपने आंध्र विश्वविद्यालय से बी एस सी तथा बॉम्बे विश्वविद्यालय से 1960 में बी एस सी (तकनीकी) की डिग्री प्राप्त की। आपने वर्ष 1964 में पी एच डी की डिग्री प्राप्त की तथा राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला (एनसीएल) पुणे में कार्य करते हुए आपने वर्ष 1987 में बॉम्बे विश्वविद्यालय से डी. एससी. की डिग्री प्राप्त की। आपने हार्वड विश्वविद्यालय में नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर ई जे कोरी के समूह में दो वर्ष तक कार्य किया। आपने एन सी एल में वर्ष 1965 में साइंटिस्ट बी के रूप में कार्यभार गृहण किया और आप वर्ष 1980 में जैविकीय रसायन विभाग के अध्यक्ष बने। आपने भारत में पहली बार एन्टीट्यूमर एंटीबायोटिक्स, इम्यून सप्रेसेन्टस, बैनकोमिन आदि सहित साइक्लिक पेपटाईड्स जैसे बायो फंक्शनल्स मोलिक्यूल्स के संश्लेषण हेतु उत्कृष्ट संस्थान की स्थापना की। आप इस संस्था के निर्माता हैं तथा आपने वर्ष 1985 से 1995 के दौरान क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला (आरआरएल–एच) के अध्यक्ष के रूप में अपनी क्षमताओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इसे विश्व में एक सुप्रतिष्ठित भारतीय रसायन तकनीकी संस्थान (आईआईसीटी) का रूप प्रदान करने का कार्य किया।

3. आप भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के एकमात्र ऐसे फैलो हैं जिन्होंने 112 पी एच डी छात्रों को प्रशिक्षित किया, प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्र पत्रिकाओं में 250 से अधिक पत्र प्रकाशित करवाए तथा जीवन रक्षक दवाओं को ज्यादा से ज्यादा सस्ती बनाने के लिए 30 से अधिक प्रक्रिया तकनीकियों का विकास किया। आपने सेवानिवृति के बाद कई मिलियन डॉलर की फार्मास्यूटिकल कंपनी (अबरा लेबोरिटिज) की स्थापना की है।

4. आपको ऐसा पहला भारतीय वैज्ञानिक होने का गौरव प्राप्त है जिन्होंने वाणिज्यिक उपयोगों हेतु संपूर्ण पैकेज उपलब्ध कराने के लिए मूलभूत विज्ञान, तकनीकी विकास एवं इंजीनियरिंग डिजायन को बढ़ावा देने तथा प्रोत्साहित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। आपने कई अग्रणी भारतीय फॉर्मास्यूटिकल उद्योगों के साथ संस्थागत एवं औद्योगिक परिचर्चा की अवधारणा में एक प्रवर्तक की भूमिका निभाई है। आप पहले ऐसे शिक्षाविद हैं जिन्होंने एंटी एच आई वी ड्रगों सहित कई आवश्यक जेनेरिक ड्रग्स के लिए वैकल्पिक सस्ती तकनीकी का विकास किया तथा प्रचलित अंतरराष्ट्रीय कीमतों से बहुत ही कम कीमत पर बाजार में उसे उपलब्ध कराया।

5. आपने यू एन डी पी, विश्व स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एजेंसी, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ पुणे तथा अनुप्रयुक्त रसायन जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अपनी सेवा प्रदान की तथा ड्रगों एवं फर्मास्यूटिकलों जैसे विशेष मुद्दों पर विभिन्न नीति निर्मात्री संस्थाओं में अध्यक्ष या सदस्य के रूप में अपनी सेवा देकर भारत सरकार को अपनी सेवा प्रदान की। आप देश की सभी वैज्ञानिक संस्थाओं के फेलो है तथा आप वर्ल्ड ऐकेडमी ऑफ साइंस के भी फेलो हैं।

6. आपको वर्ष 1991 में 'पद्म श्री' सहित 45 से अधिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। आप वर्ल्ड ऐकेडमी ऑफ साइंसिस से तकनीकी पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय हैं। आपको भारतीय रसायन परिषद से (वर्ष 2011 में) लाइफटाइम एचीवमेन्ट्स अवॉर्ड, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ कैमिकल इंजीनियर्स से वर्ष 2010 में जी पी गोदरेज लाइफटाईम अचीवमेंट अवार्ड तथा कैमिकल रिसर्च सोसायटी (वर्ष 2006) एवं अन्य द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट गोल्ड मैडल से अलंकृत किया गया है। रसायन तकनीकी संस्थान (आई सी टी), मुम्बई ने वर्ष 2011 में आपको सुपर स्टार के नाम से विभूषित किया तथा भारत के प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2007 में आपको साइंस कांग्रेस प्रेसिडेन्शियल गोल्ड मैडल प्रदान किया गया।

Dr. Alla Venkata Rama Rao

Dr. Alla Venkata Rama Rao, former Director of Indian Institute of Chemical Technology and presently Chairman and Director of Avra Laboratories Pvt. Ltd. is a renowned scientist.

2. Born on 2nd April, 1935, Dr. Rama Rao received his B.Sc. (Andhra University) and B.Sc. (Tech) from Bombay University in 1960. He obtained Ph.D. (Tech) in 1964 and D.Sc. in 1987 from Bombay University working at National Chemical Laboratory (NCL), Pune. He spent two years in Prof. E.J. Corey's (Nobel Laureate) group, at Harvard University. He joined NCL as Scientist B in 1965 and became the Head of the Department of Organic Chemistry in 1980. He established in India for the first time a school of excellence for the synthesis of bio functional molecules such as anti-tumor antibiotics, immune-suppressants, cyclic peptides including vancomycin, etc. He is an institutional builder and demonstrated his abilities by heading (1985-95) and transforming the Regional Research Laboratory (RRL-H) into the more globally respected Indian Institute of Chemical Technology (IICT).

3. Dr. Rama Rao is the only fellow of the Indian National Science Academy (FNA) who has trained 112 Ph.D. Students, published more than 250 papers in reputed international scientific journals, developed over 30 process technologies for making life saving drugs more affordable, who after retirement built a multi-million dollar pharmaceutical company (Avra Laboratories).

4. Dr. Rama Rao also has the distinction of being one of the first Indian scientist to take a lead in nurturing and fostering integration in basic science, technology development and engineering design to provide complete package for commercial exploitations. He pioneered the concept of Institution and Industry interaction with several leading Indian pharmaceutical industries. He is the first academic to develop alternative affordable technologies for several essential generic drugs including anti-HIV drugs which enabled the Indian Pharmaceutical Industry to introduce them in the market at a fraction of the prevailing international prices.

5. Dr. Rama Rao served several international bodies such as UNDP, World Health Organisation, United National Environmental Agency, International Union of Pune and Applied Chemistry and rendered public service to the Government of India as the Chairman or Member of various policy making bodies especially on Drugs and Pharmaceuticals. He is also a fellow of all science academics in the country and a fellow of the World Academy of Science.

6. Dr. Rama Rao has received over 45 awards including "Padma Shri" in 1991 and the first Indian to receive the Technology award from the World Academy of Sciences. He has been given a life time achievement award for his contributions from the Indian Chemical Council (2011), G.P. Godrej life time achievement award by the Indian Institute of Chemical Engineers (2010) Life Time achievement Gold Medal by the Chemical Research Society (2006) and others. The Institute of Chemical Technology (ICT), Mumbai named him as Super Star (2011), Science Congress Presidential Gold Medal by the Prime Minister of India (2007).